केन्द्रीय विद्यालय डूंगरपुर

KENDRIYA VIDYALAYA DUNGARPUR

"तरंग"

ई-पत्रिका E- Magazine

SESSION- 2021-22

केन्द्रीय विद्यालय डूंगरपुर

KENDRIYA VIDYALAYA DUNGARPUR

"तरंग"

ई-पत्रिका E- Magazine

सत्र-2021-22

मुख्य संरक्षक

श्री बी.एल.मोरोडिया

उपायुक्त,के.वि.सं.,जयपुर संभाग

सह-संरक्षक

श्री डी.आर.मीना

सहायक आयुक्त,के.वि.सं.,जयपुर संभाग

सह-संरक्षक

श्री एम.आर.रावल

सहायक आयुक्त,के.वि.सं.,जयपुर संभाग

संरक्षक

डॉ.इन्द्रजीत यादव

जिलाधीश एवं जिला मजिस्ट्रेट, डूंगरपुर

(अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधन समिति, के.वि. डूंगरपुर)

मार्गदर्शक

श्री के.के.चन्द्रा

प्राचार्य

केन्द्रीय विद्यालय डूंगरपुर

सम्पादन मण्डल

श्री मनोज कुमार शर्मा

स्नातकोत्तर शिक्षक-हिंदी

श्री ओमेश पालीवाल

स्नातकोत्तर शिक्षक-संगणक विज्ञान

श्रीमती अरुणा अग्निहोत्री

स्नातकोत्तर शिक्षक-अंग्रेजी

श्री चेतदान चारण

प्र.स्ना.शिक्षक-संस्कृत

श्री विवेक भट्ट

प्र.स्ना.शिक्षक-अंग्रेजी

सुश्री सरिता सोनी

प्र.स्ना.शिक्षक-कला व शिल्प

श्री हार्दिक सुथार

संगणक अनुदेशक

श्री भगवान सहाय

प्राथमिक शिक्षक

श्री बी एल मोरोडिया

उपायुक्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
जयपुर संभाग Jaipur Region

92, गांधी नगर मार्ग, बजाज नगर, जयपुर -302015(राजस्थान)

ईमेल: - kvsjpr@gmail.com , kvsjpr@rediffmail.com

संदेश

मेरे लिए यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि केंद्रीय विद्यालय डूंगरपुर, विद्यालय ई-पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है। विद्यालय ई-पत्रिका छात्रों एवं अध्यापकों को अपने विचारों को रचनात्मक, कलात्मक और सृजनात्मक तरीके से व्यक्त कराने का अवसर प्रदान करती है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस विद्यालय ई-पत्रिका के माध्यम से विद्यालय की गरिमा और प्रतिष्ठा में और अधिक वृद्धि होगी।

इस विद्यालय ई-पत्रिका के प्रकाशन के शुभ अवसर पर मैं केंद्रीय विद्यालय डूंगरपुर के विद्यार्थियों, शिक्षकगण, प्राचार्य, अन्य कर्मचारियों तथा संपादक मण्डल को हार्दिक बधाई देता हूँ एवं सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

आपका शुभाकांक्षी

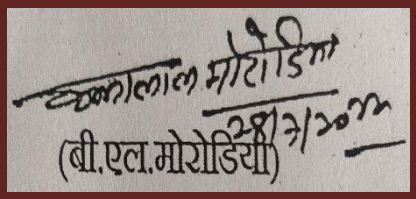

उपायुक्त

श्री के.के.चन्द्रा
प्राचार्य,
केंद्रीय विद्यालय
डूंगरपुर।

सत्यमेव जयते

डॉ. इन्द्रजीत यादव, भा.प्र.से.

जिला कलेक्टर, डूंगरपुर, राजस्थान

संदेश

मुझे यह जानकार प्रसन्नता हो रही है कि केंद्रीय विद्यालय डूंगरपुर अपने विद्यार्थियों / शिक्षकों की सृजनशीलता एवं अभिव्यक्ति को अवसर देते हुए ई-विद्यालय पत्रिका वर्ष 2021-22 का संस्करण प्रकाशित कर रहा है।

विद्यालय पत्रिका बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देती है। पत्रिका में अपनी रचना देखकर विद्यार्थियों को आनंद का अनुभव जरूर होगा, साथ ही, भविष्य में सृजनात्मक कार्य करने के लिए प्रेरणा मिलेगी। छात्रों की रचनाओं को सँवारकर प्रकाशित करने से उनको अप्रत्यक्ष मार्गदर्शन मिलता है।

मुझे विश्वास है कि पाठकों को पत्रिका में मौलिक एवं रोचक सामग्री अवश्य मिलेगी।

इस अवसर पर मैं विद्यार्थियों एवं शिक्षकों व प्राचार्य को अपनी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

(डॉ. इन्द्रजीत यादव)

श्री के के चन्द्रा
प्राचार्य
केंद्रीय विद्यालय डूंगरपुर ।

श्री के के चन्द्रा

प्राचार्य

केन्द्रीय विद्यालय डूँगरपुर

KENDRIYA VIDYALAYA DUNGARPUR

पातेला,डूंगरपुर,जिला - डूंगरपुर (राज) –314001

PATELA , DUNGARPUR, DISTRICT-DUNGARPUR (RAJ) - 314001

दूरभाष संख्या-02964-294811TELEPHONE NO.-02964-294811

वेबसाइट: www.dungarpur.kvs.ac.inE-mail:kvdpr@yahoo.com

सन्देश

मेरे लिए यह प्रसन्नता का विषय है कि हमारा विद्यालय सत्र 2021-22 की पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है। पत्रिका विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों का दर्पण होती है। विद्यालय में मात्र शिक्षण कार्य के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु अनेक गतिविधियां वर्ष पर्यंत चलती रहती हैं।

विद्यालय पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों की आंतरिक क्षमताओं का प्रस्फुटन होता है। आधुनिक शिक्षा बहुआयामी हो गई है, अतः विद्यार्थियों की आंतरिक शक्तियों को पहचानकर उन्हें तराशा एवं निखारा जाए, विद्यार्थियों में आशावादी दृष्टिकोण विकसित किया जाए, जिससे वे आत्मविश्वास का दामन थामकर अपनी उपलब्धियों के नये-नये आयाम स्थापित कर सकें, इस दिशा में विद्यालय पत्रिका अपनी अहम् भूमिका निभाएगी।

मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी आगे चलकर प्रबुद्ध, जिम्मेदार, देशभक्त एवं विविध कौशलों से परिपूर्ण सभ्य नागरिक बनेंगे और समाज तथा देश के विकास में अपना यथासंभव सक्रिय योगदान देकर अपने जीवन को सफल बनाएँगे।

इस पत्रिका के प्रकाशन में सहयोग करने वाले सभी विद्यार्थीगण एवं अध्यापकों को मैं हार्दिक बधाई देता हूँ और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

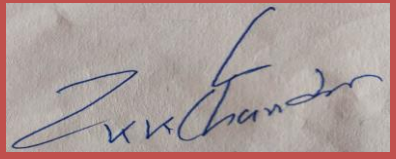

(के के चन्द्रा)

सम्पादकीय

"जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञान-दशा कहलाती है, उसी प्रकार हृदय की मुक्तावस्था रस-दशा कहलाती है, हृदय की इसी मुक्ति की साधना के लिए मनुष्य की वाणी जो शब्द विधान करती है,उसे कविता कहते हैं"

- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

आचार्यजी के इस कथन को आधार मानते हुए, आगे ये कहा जा सकता है कि कविता बनती है-मन की कोमल भावनाओं से।

मन की इन्हीं कोमल भावनाओं के संकलन का एक प्रयास है -"तरंग"। विद्यालय पत्रिका के प्रस्तुत अंक में प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर की विविध बाल प्रतिभाओं व शिक्षकों के विचारों को लोकतांत्रिक आधार पर स्थान प्रदान किया गया है। इस पत्रिका में वर्षभर की विविध प्रतियोगिताओं, गतिविधियों, उत्सवों व विशेष कार्यक्रमों को चित्र-वीथिका के रूप में संजोया गया है। इस प्रयास में हुई भूलों के लिए मैं पाठक वृन्द से अग्रिम क्षमायाचना करता हूँ।

मैं हृदय से विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों, शिक्षकसाथियों एवं प्राचार्य महोदय के प्रति आभारी हूँ, जिन्होंने सहयोग व उचित मार्गदर्शन करके इस उत्तरदायित्व को पूर्ण करने में अपना अमूल्य सहयोग दिया।

अंत में, मैं इस पत्रिका को वाग्देवी माँ सरस्वती के श्रीचरणों में समर्पित करता हूँ।

-मनोज कुमार शर्मा
स्नातकोत्तर शिक्षक-हिंदी

सम्पादन मण्डल

केन्द्रीय विद्यालय डूंगरपुर

KENDRIYA VIDYALAYA DUNGARPUR

"तरंग"

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ सं.
1	CBSE Result 2021-22 at a Glance-Class XII	8
2	CBSE Result 2021-22 at a Glance-Class X	9
3	Student Achivers 2021-22	10
4	Our Vidyalaya , Sports Activities and Scout & Guide	11
5	CCA Activities, Academic Inspection and Subject Activities	12
6	Our VMC Members	13
7	Vriksharopan-Photos	14
8	Hamara Harit Vidyalaya-Photos	15
9	Students Creativity in Painting	16-17
10	Art Gallery	18-19
11	Padharo Mhare Vidyalaya-Photos	20-21
12	Hindi Anubhag	22-37
13	Mahatvapurna Divason ki Jhankiyan-Photos	38-39
14	Sanskrit ANubhag	40-49
15	Vividh Gatividhiyan-Photos	50-51
16	English Section	52-65
17	Pathya Sahgami Gatividhiyan-Photos	66-67
18	Yadon Ke Jharonkhe se	68
19	CCA Programme Secondary Section	69
20	CCA Programme Primary Section	70
21	List of Staff Members	71
22	Staff Members Group Photo	72

C B S E RESULTS 2022: AT A GLANCE

CLASS	APPEARED	PASSED	PASS %
X	43	41	95.34
XII SCIENCE	30	27	90
XII COMMERCE	12	12	100
XII OVERALL	42	39	92.86

SUBJECT WISE TOPPERS CLASS XII

S.NO.	SUBJECTS	NAME OF STUDENTS	MARKS
1	English Core	AASTHA JANGID	96
2	Hindi Core	RAUNAK SAINI	92
3	Computer Science	ISHAAN PATEL	93
4	Economics	NEHA JAIN	96
5	Business Studies	DEEP SHAH	99
6	Accountancy	IBRAHIM	96
7	Chemistry	RAUNAK SAINI	95
8	Biology	ADITI SHUKLA RAUNAK SAINI	93
9	Physics	ISHAAN PATEL	89
10	Mathematics	PRIYANSHI JAIN	95

TEACHERS' P I IN CLASS XII

SL. NO.	SUBJECTS	Pass %	P I	NAME OF SUBJECT TEACHERS
1	Economics	100	77.08	Sh. Rajinder Prasad PGT(Eco)
2	Business Studies	100	76.04	Sh Kishan Lal Meena PGT (Commerce)
3	Accountancy	100	73.96	Sh Kishan Lal Meena PGT (Commerce)
4	Hindi Core	100	70.83	Sh. Manoj Kumar Sharma PGT (Hindi)
5	Computer Science	100	64.58	Sh.Omesh Paliwal, PGT(C.S.)
6	English Core	100	63.99	Smt. Aruna Agnihotri PGT (Eng.)
7	Chemistry	96.67	42.50	Smt Priti Kaushik PGT(Chem)
8	Biology	94.44	42.36	Smt. Shruti Shukla PGT(Bio)
9	Physics	93.33	42.92	Sh. Shambhu Prakash Bairwa PGT(Phy)
10	Mathematics	91.67	53.13	Sh.Murli Khatri, PGT (Maths)

SUBJECT WISE TOPPERS CLASS X

S.NO.	SUBJECTS	NAME OF STUDENTS	MARKS
1	English Comm.	SALONI SHARMA KESHAV BAIRWA	92
2	Hindi Course A	SALONI SHARMA KESHAV BAIRWA NIYATI SOMPURA	95
3	Social Science	SALONI SHARMA KESHAV BAIRWA NIYATI SOMPURA	99
4	Mathematics Standard	SALONI SHARMA JAINISH JAIN	95
5	Science	SALONI SHARMA	99
6	Mathematics Basic	DIVANSHI YADAV	87

TEACHERS' P I IN CLASS X

SL. NO.	SUBJECTS	Pass %	P I	NAME OF SUBJECT TEACHERS
1	Social Science	100	61.05	Sh.Jeetram TGT(S.St)
2	Hindi Course A	100	58.14	Sh.Manoj Kumar Sharma PGT (Hindi)
3	Mathematics Standard	100	57.29	Sh.Murli Khatri PGT (Maths)
4	English Comm.	100	49.13	Smt. Aruna Agnihotri PGT (Eng.)
5	Science	97.67	52.91	Smt.Priti Kaushik PGT(Chem) Smt. Shruti Shukla PGT (Bio) Sh.Shambhu Prakash Bairwa (PGT-Phy)
6	Mathematics Basic	89.47	50	Sh.Murli Khatri PGT (Maths)

Students Achievers 2021-22

DEEP SHAH
1st Rank in XII Comm.(94%)

IBRAHIM
2nd Rank in XII Comm.(90.2%)

NEHA JAIN
3rd Rank in XII Comm.(89%)

ADITI SHUKLA
1stRank in XII Science(88.8%)

RAUNAK SAINI
2nd Rank in XII Science(88.6%)

AASTHA JANGID
3rd Rank in XII Science(87.4%)

SALONI SHARMA
1st Rank in X (96%)

KESHAV BAIRWA
2nd Rank in X (95.2%)

NIYATI SOMPURA
3rd Rank in X (94.4%)

OUR VIDYALAYA

Kendriya Vidyalaya Dungarpur was established in session 2007-08 from class I to V. Now it has 715 students from class 1 to XII in its own building with Science and Commerce stream.

School has 10 acres of land with triple story building having Language Lab., CMP Room, Maths Lab., ATL, Physics Lab, Chemistry Lab, Biology Lab, Computer laboratories with 62 computers having Broad band connection and WIFI with multimedia facilities to cater learning process more techno friendly. The students, computer ratio is 20:1.

The well-equipped Library, along with books has 4 daily Newspapers,magazines which cater the development of constructivist approach, enrichment of the vocabulary and enhance the student's imaginative, creative, thinking skills and reading habits.

Separate room for NIPUN for Primary Education as per NEP 2020 is available in the Vidyalaya having I.T facility like Interactive Panel. Educational CD's are for the multidimensional development of the primary students. Primary education is based on activity based play way method with no homework in class I & II.

Children Park for primary children is available in the vidyalaya with round about swings and slopes for their proper physical development.

In sports and games we have the facility of Basketball, Badminton, Volleyball, Table Tennis, Kho-Kho, Chess and Cricket .

In order to create love for nature and to save environment, school has developed garden with large number of trees of different varieties.

Previous year school has developed Mathematical garden in order to provide conceptual knowledge of Mathematics to the students.

SPORTS ACTIVITIES

During session 2021-22 these Sports activities were conducted under the guidance of Sh Sadish Kumar Sharma:- Fit India Movement, National Yog Day Free Hand Exercise, Re-Creational Activity, Online Quiz-Fit India, SBSB.

SCOUT AND GUIDES

112 students are enrolled in Scouts/Guides in the session 2021-22 in which there are 32 Scouts,32 guides,24 cubs and 24 Bulbuls.Thinking Day, in form of Cub-Bulbul Utsav was celebrated in the vidyalaya with full zeal and enthusiasm on 21-22 Feb.2022.Flag Day and Bharat Scouts Day was celebrated in the vidyalaya on 15th November 2021 in which various activities like flag hoisting, All Faith Prayer and Flag Song were organised.

Various participation in Scout & Guide:-

Participation	Scout(Boy)	Guide(Girl)
Pravesh	4	4
Pratham Sopan	8	8
Dwitiya Sopan	12	14
Tritiya Sopan	4	4
Rajya Puraskar	4	2

CCA ACTIVITIES

To develop an all-round personality of the students, vidyalaya is providing the students ample opportunities to participate in various co-curricular activities like calligraphy, poem recitation, Solo and Group Song , Essay Writing , Letter Writing, Poster Making, Quiz and Rangoli. Many activities such as Earth Day , Swachhata Abhiyan Railley, National Sadbhawana Day, Youth day, National Education Day, Vigilance Awareness Week,National Unity Day and K.V Foundation Day were celebrated in a befitting manner in Vidyalaya as per the KVS Calendar.

VIDYALAYA ACADEMIC INSPECTION

The Deputy Commissioner, regional office Jaipur Shri B. L. Morodiya visited the vidyalaya on …… Vidyalaya Online Academic Inspections was held on 10 Aug 2021 by Annual Academic Inspection Team headed by Sh. D.R.Meena ,Assistant Commissioner KVS Regional Office Jaipur .

SOCIAL SCIENCE ACTIVITIES

During session 2021-22 these activities were conducted under the guidance of Mr. Rajinder Prasad, PGT-Eco. And Mr Jeetram,Tgt-S.St :-AKAM activities,Assamese Song,Assamese Dance, Bhasha Sangam,Debate,Quiz on pair state Assam.

HINDI PAKHWARA CELEBRATION

During the Hindi Pakhawara celebration from 14-28th September, several activities like essay writing competition, extempore, Poem recitation, Antyakshari and Quiz etc were conducted under the guidance of Sh.Manoj Kumar Sharma, P.G.T Hindi and Sh. Chetdan Charan- TGT Sanskrit.

SANSKRIT SAPTAAH

During the Sanskrit Saptaah celebration from 19 – 25 August, several activities like Essay writing Competition, Subhashit Lekhan Competition,Kahani Kathan,Natak,Geet Competition and Quiz etc were conducted under the guidance of Sh. Chetdan Charan- TGT Sanskrit.

MATHEMATICS ACTIVITIES

During session 2021-22 these activities were conducted under the guidance of Mr. Murli Khatri, PGT-Maths:-Maths Brain activities (online) Arya Bhatt Ganit Challenge (Online), PISA-Practise work.

SCIENCE ACTIVITIES

During session 2021-22 these activities were conducted:- Science Exhibition,National Children Science Congress, Spot Exam, Inspired Award, Quiz Competition and Camp exam were conducted under the guidance of Smt. Priri Kaushik (Pgt-Chem.), Smt. Shruti Shukla (Pgt-Bio.) and Sh Shambhu Prakash Bairwa (Pgt-Phy.).

VMC MEMBERS

SESSION-2022-23

S.No	**POST IN VMC**	**NAME**
1.	Chairman	Dr. Indrajeet Yadav IAS, Collector and DM Dungarpur
2	Nominee of Chairman	Sh. Hemendra Nagar ADM Dungarpur
3.	Two Eminent Educationists	Dr. Ganesh Lal Ninoma Ass. Prof. S.B.P. Govt. College Dungarpur
4.		Sh Jayant Joshi ACBO Bichhiwara Dungarpur
5	An eminent person in the field of culture	Sh. Prakash Sharma ADEO, Sec. Edu. Dungarpur
6.	Two Parents	Rashmita Jain M/O Master Hitanshi Jain ,Class IX KV Dungarpur
7.		Mr. Shilpi Ameta, F/O Anay Ameta, Class IV KV Dungarpur
8.	Eminent Medical Officer	Dr. Rajesh Sharma CMHO Dungarpur
9.	SC/ST Representive	Dr. Gouri Shankar Meena, Ass. Prof. S.B.P. Govt. College Dungarpur
10.	Teacher Representive	Mrs. Priti Kaushik PGT(Chemistry),KV Dungarpur
11.	Member Secretary	Mr. K.K. Chandra Principal KV Dungarpur
12.	Co-opted Member	Sh. Mr. Deepesh Sad Principal-Govt Sen. Sec. School, Rohanwara, Dungarpur
13.	Chairman of C.C.E.W.C.C.	Sh. Ashok Kumar Asst. Director, Social Justice and Empowerment, Dungarpur
14.	Technical Member	Sh. Narendra Vyas AE CPWD Udaipur

वृक्षारोपण

श्री बी एल मोरोडिया,उपायुक्त,के.वि.सं.,क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर द्वारा वृक्षारोपण

पुलिस अधीक्षक श्री जय यादव द्वारा वृक्षारोपण

विद्यार्थियों द्वारा मनाया गया - वन महोत्सव

हमारा हरित विद्यालय

Students Creativity in Painting

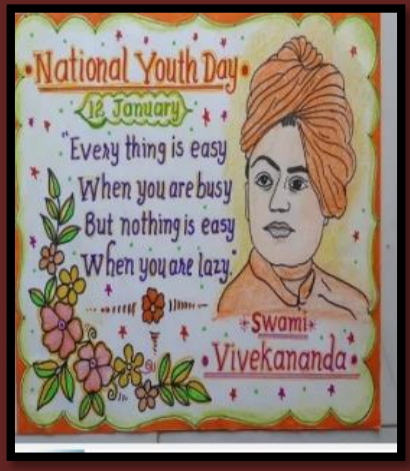

NATIONAL
SPORTS
DAY

Happy
Teacher's
Day

INDIA

Yoga Day
Yoga day is celebrated on
21 June. Yoga is
good for health

Art Gallery

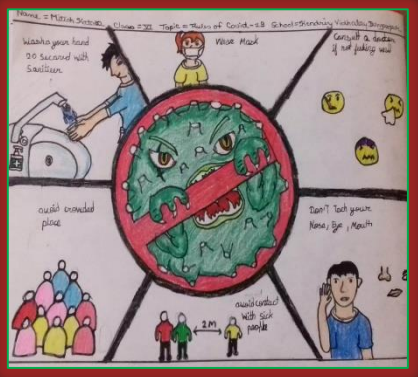

CLASS-V Mo. UBAID

राघव पण्ड्या

Fit India I love Sports
Name - Vanshika meena
Class- 5th
Kendriya vidyalay Dungarpur

RAGHAV PANDYA
CLASS - 7th
Roll No. 733
व्यस्त रहे
मस्त रहे
स्वस्थ रहे ।

YES WE CAN DEFEAT COVID-19!
Fight CORONA
NAME = KINJAL SONI
CLASS = 8th

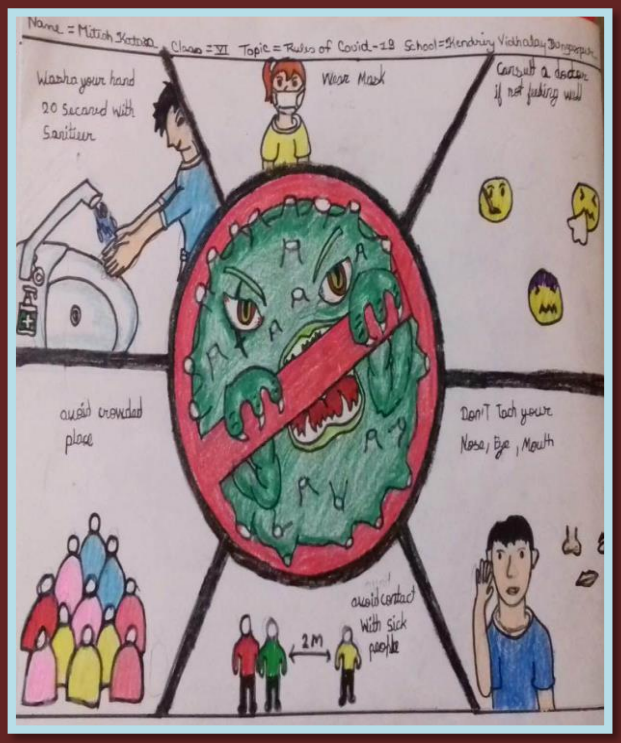

Class = VI
Topic = Rules of Covid-19
Washa your hand 20 Second with Sanitizer
Wear Mask
Consult a doctor if not feeling well
avoid crowded place
Don't Tach your Nose, Eye, Mouth
avoid contact with sick people
2M

Use me
Clean India
Green India

Swachh Bharat
Dust Bin

BHUMIKA MEENA
30 AUGUST 2021

Name - Madhavi Suthar
class - 8 VIII
Roll no. - 820
Subject - Covid-19
याद रखें सुरक्षा जीवन का अर्थ है, सुरक्षा के बीना सब व्यर्थ है।
Painting
Study
Cleaning
Stay Home
Stay Lives

School: Kendriya Vidhyalay, Dungarpur
SWACHATA ABHIYAN
Name- Madhvi Suthar

गंदगी मुक्त मेरा गाँव
CLEAN INDIA GREEN INDIA
DUST BIN
SARANSH

पधारो म्हारे विद्यालय

माननीय सांसद महोदय श्री कनक मल कटारा का शुभागमन

कलेक्टर महोदय श्री सुरेश कुमार ओला द्वारा बाल उद्यान का उद्घाटन

कलेक्टर महोदय श्रीमान आलोक रंजन द्वारा निरीक्षण

ए.डी.एम महोदय श्री कृष्ण पाल सिंह चौहान द्वारा विद्यालय का निरीक्षण एवं डिजिटल क्लासरूम का उद्घाटन

पधारो म्हारे विद्यालय

उपायुक्त महोदय श्री बी. एल. मोरोडिया का शुभागमन एवं विद्यार्थियों से वार्ता

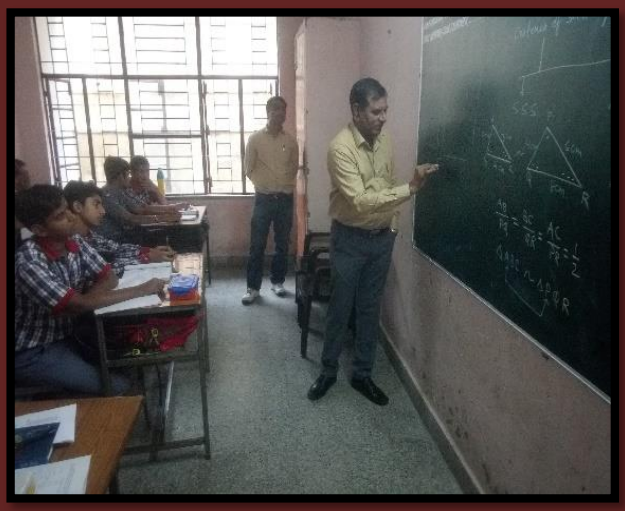

श्रीमान मुकेश कुमार व श्रीमान डी. आर. मीणा, सहायक आयुक्त महोदय, के.वि.सं., जयपुर द्वारा निरीक्षण

विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक

मुस्कान संस्थान से पधारे अधिकारीगण

हिन्दी अनुभाग

"राष्ट्रीय एकता की कड़ी हिंदी ही जोड़ सकती है।"

-बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

"हमारी नागरी दुनिया की सबसे अधिक वैज्ञानिक लिपि है।"

-राहुल सांकृत्यायन

विनती

हम सब बालक हैं अज्ञान,
विनती करते हैं भगवान
तुम तो जग के पालक भगवान
देना हमको भी वरदान
तुमने सारा जहान बनाया
इस संसार को बसाया
पानी पवन और पर्वत बनाया
सूरज चाँद तारों को चमकाया
तुमने बादल को बरसाया
सब फूलों को महकाया
धरती और आकाश बनाएँ
पशु-पक्षी और इंसान भी बनाएँ,
सभी जीवो में तो ईश्वर आप ही समाए

रुद्री अमेटा
कक्षा- नवमीं

स्वच्छ रहे यह देश हमारा

स्वच्छ रहे यह देश हमारा
लगे जहां में सबसे न्यारा
मिलजुल कर हम करें सफाई
इसी में है सबकी भलाई
कूड़ा कचरा न सड़क पर डालो
बीमारी को तुम न पालो
मिलकर हम सब पेड़ लगाएँ
पर्यावरण को हरा-भरा बनाएँ
जगमग जगमग सड़के चमके
देश हमारा दुनिया में दमके
आओ मिलकर हम कसम ये खाएँ
स्वच्छता को सब अपनाएँ
सब मिलकर ये करो इरादा
स्वच्छ रहे यह देश हमारा

तन्वी यादव
कक्षा -दसवीं

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस प्रत्येक **वर्ष** 5 जून को संपूर्ण विश्व में मनाया जाता है। जैसा कि हम जानत`हैं कि हम पृथ्वी पर रहते हैं और पृथ्वी एक हरा भरा एवं सुंदर ग्रह है इसलिए यह **हमारा** कर्तव्य है कि हम पृथ्वी को साफ एवं सुन्दर बनाए रखें।

हम जानते हैं कि हमारा पर्यावरण **प्रदूषित** हो रहा है इसलिए संपूर्ण **विश्व** के **देशों** ने मिलकर यह फैसला किया कि प्रत्येक **वर्ष** 5 जून को **विश्व** पर्यावरण दिवस मनाया जाएगा ताकि सभी लोग पर्यावरण के प्रति जागरूक हो सकें। इस दिन सभी लोग पेड–पौधे **अवश्य लगाएँ**।

पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए हमें प्लास्टिक का प्रयोग **नहीं** करना चाहिए, पेड–पौधे लगाने चाहिए। हम सबको मिलकर पर्यावरण दिवस पर **शपथ** लेनी चाहिए कि हम पर्यावरण को संरक्षित रखेंगे।

नील जोशी
कक्षा–नवमी

मंजिलों की राह

मंजिलों की राह में चलना तो हमने सीखा ही था।
अभी सफर तो **शुरू** हुआ था चलना अभी बाकी था।।

बंद आंखों में जो अपना था खुली आंखों में वो अपना था।
उस ख्वाब को सच कर दिखाने के लिए चलना बहुत जरूरी था।।

चलते – चलते हुई थकावट तो दिखा एक सहारा था।
तो लगा अंधेरों की नगरी में बस वही एक उजाला था।।

सोच उजालों की लेकर देखा तो वहां अंधेरा था।
किसी को क्या बतलाएं यारों वह तो **मृगतृष्णा** था।।

उस वक्त **मृगतृष्णा** के अहसास ने बतलाया था।
जो रूके हुए हैं कदम तुम्हारे उसे उठाना अभी बाकी था।।

अब रूकना नहीं, अब थमना नहीं यह इरादा पक्का था।
मंजिलों की राह में चलना तो हमने सीखा ही था।

रोनक कटारा
कक्षा – दसवीं

तू खुद की खोज में निकल

तू खुद की खोज में निकल, तू किस लिए **हताश** है,
तू चल, तेरे वजूद की समय को भी **तलाश** है।

तू तुझ से लिपटी बेडियां समझ ना इनको वस्त्र तू,
ये बेडियां **पिघला** के बना ले इनको वस्त्र तू।

चरित्र जब पवित्र है तो क्यूँ है ये **दशा** तेरी,
ये पापियों को हक **नहीं** कि ले परीक्षा तेरी।

जला कर भस्म कर उसे जो क्रूरता का जाल है,
तू आरती की लौ नही तू क्रान्ति की **मशाल**है।

चूनर उडा के ध्वज बना गगन भी कंप कपाएगा,
अगर तेरी **चूनर** गिरी तो एक **भूकम्प** आएगा।

तू खुद की खोज में निकल, तू किस लिए **हताश** है,
तू चल, तेरे वजूद की समय को भी **तलाश** है।

दक्षित भारद्वाज

कक्षा – नवमीं

देश की माटी

देश की माटी, देश का जल,
हवा देश की, देश के फल,
सरस बनें प्रभु सरस बनें।
देश के घर और देश के घाट,
देश के वन और देश के बाट,
सरस बनें प्रभु सरस बनें।
देश के तन और देश के मन,
देश के अपने भाई – बहन,
विमल बने, प्रभु विमल बनें।
देश की माटी, देश का जल,
हवा देश की, देश के फल,
सरस बनें प्रभु सरस बनें।

अनूरी मधुआशिस

कक्षा – सातवीं

सच्चाई

ना तीर न तलवार से मरती है सच्चाई
जितना दबाओ उतना उभरती है सच्चाई।
उँची उडान भर भी ले कुछ देर को फरेब,
आखिर में उसके पंख कतरनी सच्चाई।
सर पर उसे बैठाते है जन्नत के फ़रिश्ते
ऊपर से जिसके दिल में उतरती है सच्चाई।
जो धूल में मिल जाए, वजाहिर, तो इक रोज,
बागे बहार उनके सँवरती है सच्चाई।
बनता है लौह जिस तरह फौलाद उस तरह,
शोलों के बीच में से गुजरती है सच्चाई।

मानस बरण्डा

कक्षा – दसवीं

राष्ट्रगान का प्रत्येक शब्द कुछ कहता है

जन – भारत की जन–शक्ति।
गण – गणराज्य भारत।
मन -जनता का मन
अधिनायक जय हे –आदर्श शासन की जय हो।
भारत भाग्य विधाता – भारत वर्ष के भाग्य को बनाने वाला।
पंजाब, सिन्धु, गुजरात,मराठा,
द्रविड उत्कल बंग – भारत के विभिन्न प्रदेश।
विन्ध्य हिमाचल – विन्ध्यांचल तथा हिमालय पर्वत आदि।
यमुना गंगा – पवित्र नदियाँ (जल शक्ति)।
उच्छल जलधि तरंग – भारत चारों ओर से लहराते हुए समुद्र हैं।
तव शुभ नामे जागे – भारत का नाम चारों तरफ फैले।
तव शुभ आशिष मांगे – हम तुम्हारा आशीर्वाद मांगते हैं।
गाहे तव जय गाथा – हम तुम्हारी जय गाथा गाते हैं।
जन गण मंगलदायक जय हे – यहां के जन का मंगल करने वाले की जय हो।
भारत भाग्य विधाता – भारत के भाग्य को बनाने वाला।
जय हे – थल सेना की जय हो।
जय हे – वायु सेना की जय हो।
जय हे – जल सेना की जय हो।
जय, जय, जय, जय हे – चारों दिशाओं में संपूर्ण भारत की जय हो।

कोपल भावसार

कक्षा – दसवीं

लोग

कहाँ पर बोलना है और कहाँ पर बोल जाते हैं,
जहाँ **खामोश** रहना है वहाँ मुँह खोल जाते हैं।
कटा जब सर सैनिक का तो हम सब चुप रहते हैं,
कटे अगर सीन पिक्चर का तो सारे बोल जाते हैं।
ये **कुर्सियाँ देश** को खा जाए तो कोई कुछ **नहीं** कहता,
मगर रोटी की चोरी हो तो सारे बोल जाते हैं।
नई नस्ल के ये बच्चे जमाने भर की सुनते हैं,
मगर माँ–बाप कुछ कह देंतो ये भी बोल जाते हैं।
फसल बर्बाद होती है तो कोई कुछ **नहीं** कहता,
जरा सा टैक्स बढ जाए तो सारे बोल जाते हैं।
बहुत **ऊँची** दुकानों में कटाते जेब सब धनवान,
लेकिन अगर मजदूर **माँगे** तो सिक्के बोल जाते हैं।
गरीबों के घरों की बेटियाँ अब तक कुँवारी हैं,
रिश्ता कैसे होगा जब लोग दहेज से तौले जाते हैं।
अगर मखमल करे गलती तो कोई कुछ **नहीं** कहता,
फटी चादर की गलती हो तो सारे बोल जाते हैं।
हवाओं की तबाही को सभी चुपचाप सहते हैं,
चरागों से हुई गलती पर तो सारे बोल जाते हैं।
होते हैं कुछ गद्दार, दोस्तों की भीड में अक्सर,
जरा स्वार्थ निकल जाए तो खंजर घुस जाते हैं।

यति जैन
कक्षा -नवमीं

बेटियाँ

मिट्टी की **खुशबू** सी होती हैं बेटियाँ
घर की राजदार होती हैं बेटियाँ
बचपन है बेटियाँ, जवानी है बेटियाँ
सत्यम शिवम् सुन्दरम् सी होती है बेटियाँ
फिर क्यों जला **दी जाती** हैं ससुराल में बेटियाँ
फिर क्यों न बाँटे **खुशियाँ**
जब होती है बेटियाँ।
एक नही दो **वंश** चलाती है बेटियाँ
घर भी संभालती है
बाहर भी संभालती है
फिर गर्भ में क्यों मार दी जाती है बेटियाँ।

काव्या पंचाल
कक्षा –आठवीं

माँ–बाप की अहमियत

माँ और पिता के रोल में बस इतना सा फर्क है, माँ का रोल जीते –जी समझ में आता है और पिता का रोल, उनके चले जाने के बाद।

एक पिता **हमेशा** नीम के पेड जैसा होता है। जिसके पत्ते भले ही कडवे हों पर वो छाया **हमेशा** बडी देता है।

माँ के लिए : मेरी माँ आज भी अनपढ ही है, रोटी एक माँगता हूँ वो दो लाकर देती है।

जब एक रोटी के चार टुकडे हों और खाने वाले पाँच, तब ''मुझे भूख **नहीं** है'' ऐसा कहने वाली सिर्फ माँ होती है।

न जाने कितने दुःख कमाता है एक पिता औलाद की **खुशी** खरीदने के लिये, फिर भी उस औलाद के महल में एक कोना **नहीं** मिलता माँ–बाप को ठहरने के लिए।

माँ–बाप की दवाई की पर्ची अक्सर गुम हो जाती है, पर लोग वसीयत के कागज बहुत अच्छी तरह संभाल के रखते है।

माँ–बाप की ममता दम तोड देती है जब बच्चे कहते है कि ''तुमने किया ही क्या है हमारे लिये''।

इसलिए कहती हूँ अपने माँ–बाप को कभी दुःखी मत करो क्योंकि उनकी जगह इस दुनिया में और कोई **नहीं** सकता।

करिश्मा कलाल

कक्षा–आठवीं

ए*सा है मेरा केन्द्रीय विद्यालय*

स्वर्ग से सुंदर, **खुशबू** से महका,
ज्ञान का फूल है मेरा केन्द्रीय विद्यालय।

करूणा से भरा, हर बात पर खरा,
ऐसा है मेरा केन्द्रीय विद्यालय।

मैं हूँ असंख्य ख्वाब रखने **वाला**

पंख लगाकर आसमान को छूने **वाला,**
गुरूओं के ज्ञान से आज
मैं स्वतंत्र पंछी **हूँ** बन **पाया**।

नयन कुमार शर्मा
कक्षा -सातवीं

तू चलते जा

कठिन परिश्रम कर तू
बन जा वो जो तू चाहता है
दिखा दे अपने संसार को क्या तू चाहता है?
तू चलते जा-तू चलते जा,कठिन परिश्रम करते जा ।
चुनौतियाँ आएंगी अनेक
डटकर सामना करना सीख उनका,
तू दृढ संकल्प कर ले तो
छू लेगा आसमान की असीम ऊचाइयां
पूरा हो जाएगा तेरा सपना
तू चलते जा-तू चलते जा,कठिन परिश्रम करते जा ।
मौके की तलाश में कहीं जा मत तू,
वो तो पैरों तले दबे हैं तेरे
बस इतनी कोशिश कर की
तू ढूंढ निकाल उनको
तू चलते जा-तू चलते जा,कठिन परिश्रम करते जा ।
मंजिल की तलाश में
ना जाने कहाँ-कहाँ समय निकले
ध्यान रख तू अपने लक्ष्य में,
कोशिश कर तू जरूर
देख परिणाम रख तू थोड़ा सुरूर
तू चलते जा-तू चलते जा,कठिन परिश्रम करते जा ।
परीक्षा जीवन पर्यंत चलती है
जारी रख अपने अथक प्रयास तू
अवश्य प्राप्त होगी सफलता तुझको
जब बन जाएगा उसके काबिल तू
तू चलते जा-तू चलते जा,कठिन परिश्रम करते जा ।

आयुष चन्द्रा
कक्षा-बारहवीं विज्ञान

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी-एकता की मूर्ति

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी भारत के प्रथम उपप्रधानमन्त्री तथा प्रथम गृहमन्त्री वल्लभ भाई पटेल को समर्पित एक स्मारक है, जो भारतीय राज्य गुजरात में स्थित है। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर 2013 को सरदार पटेल के जन्म दिवस के मौके पर इस विशालकाय मूर्ति के निर्माण का शिलान्यास किया था। यह स्मारक सरदार सरोवर बांध से 3.2 किमी की दूरी पर साधूबेट नामक स्थान पर है जो कि नर्मदा नदी पर एक टापू है। यह स्थान भारतीय राज्य गुजरात के भरुच के निकट नर्मदा जिले में स्थित है। **यह विश्व की सबसे ऊँची मूर्ति है,जिसकी लम्बाई 182 मीटर (597 फीट) है। इसके बाद विश्व की दूसरी सबसे ऊँची मूर्ति चीन में स्प्रिंग टैम्पल बुद्ध है, जिसकी आधार के साथ कुल ऊंचाई 153 मीटर (502 फीट) है। प्रारम्भ में इस परियोजना की कुल लागत भारत सरकार द्वारा लगभग 3000 करोड़ रखी गयी थी। बाद में लार्सन एंड टूब्रो ने अक्टूबर 2014 में सबसे कम 2989 करोड़ की बोली लगाई जिसमें आकृति, निर्माण तथा रखरखाव शामिल था। निर्माण कार्य का प्रारम्भ 31 अक्टूबर 2013 को प्रारम्भ हुआ। मूर्ति का निर्माण कार्य मध्य अक्टूबर 2018 में समाप्त हो गया। इसका उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 31 अक्टूबर 2018 को सरदार पटेल के जन्म दिवस के मौके पर किया गया।**

हितांशी जैन
कक्षा-नवमीं

"अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम कला है"

"साहित्य संगीत कला विहीन।
साक्षात्पशुपुच्छविषाणहीन।।"

कला का प्रभाव मानव जीवन मे जन्म मृत्यु उत्थान और पतन तक देखा जाता है। कला की महत्ता को पुराणों मैं भी प्रमुखता से उल्लेख किया गया है। प्रागेतिहासिक काल से ही देखा जाए तो मानव विकास की गाथा नदी घाटियों के आसपास की गुफाओं में आदि मानव द्वारा निर्मित गुफा चित्रों मैं दिग्दर्शन होता है। जीवन संघर्ष से ओतप्रोत आखेट के चित्रों में ध्यान से देखा जाए तो यह लगेगा शायद कि मानव आखेट से पहले या आखेट के बाद मनुष्य योजना बना कर या आखेट किस प्रकार किया गया या आखेट किस तरह करना है, उसको अपने समूह के अन्य लोगों को समझता होगा। इससे साफ-साफ समझा जा सकता है कि मानव अभिव्यक्ति की पहली प्राचीन भाषा चित्र लिपि रही होगी। जो सांकेतिक भाषा होकर आज लिपि के रूप में संसार के इतिहास का संरक्षण करती है।

किसी भी विषय को, अपनी बात को अभिव्यक्त करने में जन धन और समय की हानि होती है, तब वह अभिव्यक्ति का सर्वोच्च माध्यम कला (चित्र) का सहारा लेकर अपनी अभिव्यक्ति या बात को पूरी करता है। इस आधार से यह कहा जा सकता है कि कोई भी इंसान या विद्यार्थी किसी भी विषय में अपनी बात को कलात्मक रूप से कहे (जैसे विज्ञान में प्रायोगिक चित्र) तो वह अभिव्यक्ति श्रेष्ठ हो जाती है। दूसरे उदाहरण से देखा जाए कि अगर कोई अनजान जगह, वस्तु या व्यक्ति के बारे में समझाने का प्रयास करे तो स्वाभाविक है, प्रत्येक माध्यम से अपने-अपने तरीके से अभिव्यक्त करेगा लेकिन चित्र के माध्यम से समझाया जाए तो सबसे कम समय में पूरी बात को आसानी से समझा जा सकता है। चित्र माध्यम का उपयोग करने वाला 100% सही उत्तर देगा। इसमें कोई असमंजस होने की संभावना भी नहीं होती लेकिन अन्य माध्यम से असमंजस का संशय बना होने की सम्भावना अधिक रहती। विष्णुधर्मोत्तर पुराण के 'चित्रसूत्र' अध्याय में चित्रकला के महत्त्व को वर्णित किया गया है:-

"कलानां प्रवरं चित्रम् धर्मार्थ काम मोक्षादं।
मांगल्य प्रथम् दोतद् गृहे यत्र प्रतिष्ठितम्॥38॥"

अर्थ : कलाओं में चित्रकला सबसे ऊँची है जिसमें धर्म, अर्थ, काम एवम् मोक्ष की प्राप्ति होती है। अतः जिस घर में चित्रों की प्रतिष्ठा अधिक रहती है, वहाँ सदा मंगल की उपस्थिति मानी गई है ।

- सुश्री सरिता सोनी
कला शिक्षिका

राष्ट्र भाषा हिन्दी

गर्व से कहो मेरी भाषा हिन्दी है
भारत माता के भाल की बिंदी है
मेरे बुजुर्गों की भाषा हिन्दी है
ऋषियों की प्यारी संस्कृत इसकी जननी है
गर्व से कहो मेरी.....
मेरी दिनचर्या की भाषा हिन्दी है
मेरे अरमानों की भाषा हिन्दी है
पिता की फटकार की भाषा हिन्दी है
गर्व से कहो मेरी.....
बैलों की रुनझुन में हिन्दी है
श्रम की ताकत हिन्दी है
मजदूर की हुँकार में हिन्दी है
गाँव की हर बात में हिन्दी है
गर्व से कहो मेरी.....
आजादी की भाषा भी तो हिन्दी थी
अंग्रेजो के छक्के छुड़ाने वाली हिन्दी थी
सुभाष भगत की ललकार में हिन्दी थी
देश को मुक्ति दिलाने वाली हिन्दी थी
आज भी हर दिल में बसती हिन्दी है
गर्व से कहो मेरी .....

देश के गद्दारों को सुहाती नहीं हिन्दी है
पिछड़ेपन की प्रतीक बताई जाती हिन्दी है
अपने ही घर में अछूत सी लगती हिन्दी है
फिर क्यों तुम्हारे हर भाषण में हिन्दी है
बाज़ार में क्यों इतराती रहती हिन्दी है
गर्व से कहो मेरी .....
हर विज्ञापन में ठुमकती हिन्दी है
साहित्य सिनेमा का गौरव हिन्दी है
तुलसी सूर कबीर की ठसक में हिन्दी है
पन्त निराला के छन्दों की वनिता हिन्दी है
प्रेमचंद की कथाओं से आग उगलती हिन्दी है
गर्व से कहो मेरी .....
सोचो समझो विचार करो
नहीं तुम नादान बनो
हमारी संस्कृति की वाहक
अस्मिता की पहचान हिन्दी है
हिन्दी नहीं तो तुम भी नहीं
इसलिए गर्व से कहो, मेरी भाषा हिन्दी है
भारत माता के भाल की बिंदी है।
गर्व से कहो मेरी .....

रम्या शांडिल्य
कक्षा- बारहवीं

"हिंदी उन सभी गुणों से अलंकृत है जिनके बल पर वह विश्व की साहित्यिक भाषाओँ की अगली श्रेणी में सभासीन हो सकती है।"

-राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त

माँ

तू धरती पर खुदा है माँ ।
तू हमेशा सबसे जुदा है माँ।
पंछी को छाया देते, पेड़ों की डाली है तू ।
सूरज से रोशन होते, चेहरे की लाली है तू ।
पौधों को जीवन देती, मिट्टी की क्यारी है तू ।
सबसे अलग सबसे जुदा माँ, सबसे न्यारी है तू।
तू रौशनी है, खुदा है माँ।
तू हमेशा सबसे जुदा है माँ ।
सूरज से तपते आगंन में, बारिश की बौछार हैं तू।
जीवन के सूने उपवन में, कलियों की बहार है तू ।
खतरों से रक्षा करती, सदा खड़ी दीवार है तू ।
ईश्वर का सबसे प्यारा, सबसे सुंदर अवतार है तू ।
तू फरिश्ता है, तू दुआ है माँ
तू हमेशा सबसे जुदा है माँ ।

-लावण्या टाक
कक्षा-छठवीं अ

सीखो

सैनिक से बलिदान सीखो, पेड़ तुम झुक जाना
बैल से बोझ उठाना सीखो, पत्थर से मजबूत बन जाना
छत से तुम छाँव देना सीखो, सूरज से नियमित बन जाना
मोमबत्ती से रौशन करना सीखो, उजाले से सदा फ़ैल जाना
मूर्ति से सहन करना सीखो, तो ईश्वर से माफ़ कर देना
धरा पर आए हो तो, इसे पहले से कुछ बेहतर करके जाना .

विभांशु कलासुआ ,कक्षा-बारहवीं

राष्ट्रीय पक्षी-मोर

नीले-पीले-बैंगनी
हरे सुनहरे काशनी
इन्द्रधनुष से रंग हैं
सर पर कलगी ताज़ है
यह तो पक्षीराज है
कोई भी ना सानी है
मोर बड़ा लासानी है
बरखा रानी आ रही
मस्ती इस पर छा रही
करो नहीं तुम शोर जी
नाच रहा है मोर जी
श्रीकृष्ण के मुकुट में
सरस्वती के चरण में
इसका पहले स्थान था
अब भी ऊँची हस्ती है
पदवी राष्ट्रीय पक्षी है।

आयुष पंचोली
कक्षा - IV अ

"राष्ट्रीयता का भाषा और साहित्य के साथ बहुत ही घनिष्ठ और गहरा सम्बन्ध है"

-डॉ.राजेन्द्र प्रसाद

माँ के नाम

बचपन में अच्छी लगे यौवन में नादान।
आती याद उम्र ढ़ले क्या थी माँ महान।।१।।
करना माँ को खुश अगर कहते लोग तमाम।
रौशन अपने काम से करो पिता का नाम।।२।।
विद्या पाई आपने बने महा विद्वान।
माता पहली गुरु है सबका ही कल्यान।।३।।
कैसे बचपन कट गया बिन चिंता अनजान।
पर्दे पीछे माँ रही बन मेरा भगवान।।४।।
माता देती सपने है बच्चों को कल्यान।
उनको करता पूर्ण जो बनता वही महान।।५।।
बच्चे से पूछो जरा सबसे अच्छा कौन।
उंगली उठे उधर जिधर माँ बैठी हो मौन।।६।।
माँ कर देती माफ़ है कितने करो गुनाह।
अपने बच्चों के लिए उसका प्रेम अथाह।।७।।

-बुशरा खान ,कक्षा-V अ

जीवन क्या है...?

जीवन क्या है....?
यह एक सुहाना सफर है,
जहाँ सबके पास उड़ने के लिए पर है|
उड़ते पंछी की प्यास है ये....?
पुराने लम्हों की मिठास है ये ...
है यह बहती नदी की तरह ....
जो आती जाती पुनः पुनः ....
चलती जाती है निरंतर ....
मिल जाती सागर में बहकर ....
यह हम सब की सोच है ....
जिसकी सीमा नही ....
यहाँ ऊँचे पर्वत की छोटी है ....
गहरे पानी का मोती है ....|

-ख्याति लिम्बात
कक्षा-V A

मेरे डूंगरपुर की बरसात

मेरे डूंगरपुर की बरसात.....
उमस से राहत दिलाने वाली बरसात,
खुशियों से सराबोर करने वाली बरसात |
मेरे डूंगरपुर की बरसात .....
चाय की चुस्की और गर्म पकौड़े वाली बरसात,
खुशियों का सन्देश लाने वाली बरसात |
मेरे डूंगरपुर की बरसात.....
आपाधापी और रेलम पेलम वाली बरसात,
किसानों की रोजी रोटी बनने वाली बरसात |
मेरे डूंगरपुर की बरसात.....

-गर्व शाह,कक्षा-V ब

पेड़

मत काटो पेड़ ,
सचमुच तुम बहुत पछताओगे
बोलो फिर किसकी गोद में
सिर छिपाओगे|
शीतल छाया
फिर कहा से पाओगे,
कहाँ से पाओगे फिर फल
कहाँ से मिलेगा |
शस्यश्यामला को
सींचने वाला जल,
रेगिस्तानो में
तब्दील हो जायेंगे खेत|
बरसेंगे कहाँ से
उमड़-उमड़ बादल?
थके हुए मुसाफिर
पाएंगे कहाँ से
श्रमहारी छाया

-रक्षित मोची,कक्षा-IV ब

आशा

किसने कहा मैं अस्त हूँ, मैं अपने में ही मस्त हूँ;
आती ही है मुश्किलें, मैं भी उनसे ग्रस्त हूँ...
पुकारती हैं दिक्कतें, थोड़ा ही तो त्रस्त हूँ...
दो-दो हाथ मृत्यु से, जीवन से सन्यस्त हूँ...
देने को नई दुनिया, खुद में कुछ व्यस्त हूँ...
उम्मीदों से अँधेरे को, नित देता शिकस्त हूँ...
शांति की चाहत किसे, संग्राम का अभ्यस्त हूँ...
जानता हूँ खुद को मैं, जैसा भी हूँ जबरदस्त हूँ !!

-मुरली खत्री
स्नातकोत्तर शिक्षक-गणित

महत्वपूर्ण दिवसों की झांकियाँ

पृथ्वी दिवस पर संकल्प दिलाते वन विभाग के अधिकारी

योग दिवस पर योग करते शिक्षक-विद्यार्थिगण

स्वतंत्रता दिवस पर नृत्य की प्रस्तुति

शिक्षक दिवस-विद्यार्थी बने शिक्षक

खेलकूद दिवस पर जलेबी दौड़ का आनंद लेते विद्यार्थी

एकता दिवस पर एकता का सन्देश

बाल दिवस पर रानी लक्ष्मीबाई की झाँकी

संविधान दिवस पर संकल्प लेते शिक्षक-विद्यार्थी

केंद्रीय विद्यालय संगठन के स्थापना दिवस को मनाते विद्यार्थी

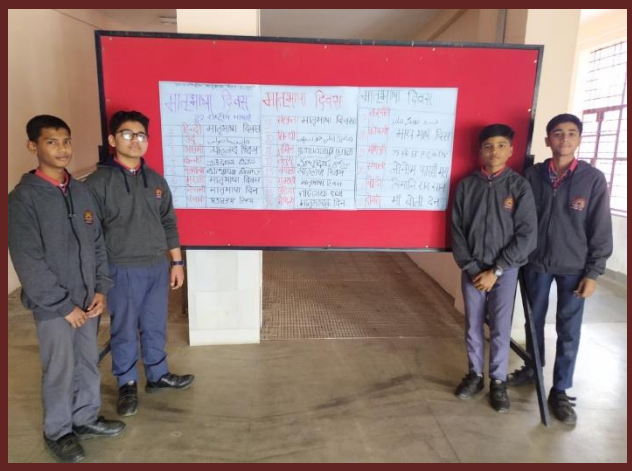

मातृभाषा दिवस-अपनी प्रस्तुति के साथ विद्यार्थी

गणतंत्र दिवस पर शिक्षक का संबोधन

प्रवेशोत्सव-विद्यालय में मेरा पहला दिन

संस्कृतअनुभाग:

हिरण्यमयेन पात्रेण , सत्यस्यापिहितम मुखम् ।
तत् त्वं पूषन् अपावृणु , सत्यधर्माय दृष्टये ।।

- ईशावास्योपनिषद्

अर्थात - हे प्रभु ! सांसारिक आकर्षणों से सत्य का मुख ढका हुआ है , हे! सर्व पोषक परमात्मा !आप उस भौतिक आकर्षण रुपी असत्य के आवरण को हटाओ, जिससे मुझे सत्य व धर्म के दर्शन हो सकें ।

संकलन –
चेतदान चारण
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक , संस्कृत

व्यायामात् लभते स्वास्थं , दीर्घायुष्यं बलं सुखम् ।
आरोग्यं परमं भाग्यं , स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनम् ।।

प्रतिदिनं व्यायामं करोति तस्य एकाग्रता वर्धते । अनेन छात्राणाम् अभ्यासस्य क्षमता अपि वर्धते । व्यायामः जीवने महत्त्वपूर्णः अस्ति । स्वस्थे शरीरे एव स्वस्थात्मा निवसति । व्यायामेन क्षुधा वर्धते । अन्नस्य पाचनं शीघ्रं भवति । नित्यं व्यायमं कृत्वा मनुष्यः दीर्घायुषी भवति । यथा व्यायामः आवश्यकः तथा उत्तम दिनचर्याः अपि अत्यावश्यकं अस्ति -

ब्राह्मे मुहूर्ते उत्तिष्ठेत् , स्वस्थो रक्षार्थमायुषः ।
सर्वमेव परित्यज्य , शरीरमनुपालयेत ।।

नीरोगः जनः सूर्योदयात पूर्वेमेव शय्या त्यजेत् । शरीरस्य संरक्षणं सर्वाधिकं महत्वपूर्णम् अस्ति । यदि अस्माकं शरीरं स्वस्थं नास्ति तर्हि किमपि कार्यं कर्तुं समर्थः न भवति । आयुर्वेदे उचित आहार सेवनस्य कृतेऽपि वर्णनमस्ति -

भोजनान्ते पिबेत्तक्रं , वासरान्ते पिबेत्पयः ।
निशान्ते च पिबेद्वारि , त्रिभी रोगो न जायते ।।

आयुर्वेदाचार्यः कथयति यत् भोजनान्ते प्रतिदिनं तक्रं पिबेत । वासरान्ते पयः अत्यंत लाभप्रदः भवति अतः रात्रि शयनात् पूर्व दुग्ध-पान अवश्यं करणीय । निशान्ते अर्थात प्रातः काले वारि स्वास्थ्य वर्धकं भवति ।

हिताशी स्यान्मिताशी , स्यात्कालभोजी जितेन्द्रियः ।
पश्यन् रोगान् बहुन् कष्टान् , बुद्धिमान् विषमाशनात् ।।

अर्थात बुद्धिमान विषम-अशनात् बहून रोगान कष्टान् पश्यन् हिताशी , मिताशी , जितेन्द्रियः ,कालभोजी च स्यात् । सर्वदा हितकरं परिमितं भोजनं समयेन कर्तव्यम् । विषमभोजनेन बहवः रोगाः जायन्ते यैः नरः कष्टानि अनुभवति । यदि आहारः उचित नास्ति तर्हि व्यायामस्य किम् उपयोगः? धर्म , अर्थ , काम , मोक्ष एते चत्वारः पुरुषार्थाः तेषां प्राप्यर्थं स्वस्थ शरीरमावश्यकं ।

"मनस्वी कार्यार्थी न गणयति दुःखं न च सुखम्"

संस्कृत ध्येय-वाक्यानि

भारतसरकारः - सत्यमेव जयते |

उच्चतम न्यायालयः - यतो धर्मस्ततो जयः |

दूरदर्शनम्- सत्यं शिवं सुन्दरम् |

सी.बी.एस.इ. - असतो मा सद् गमय |

डाकतार-विभागः - अहर्निशं सेवामहे |

यू.जी.सी. - ज्ञानविज्ञान विमुक्तये |

एन.सी.इ.आर.टी. - विद्ययाऽमृतमश्नुते |

केन्द्रीय विद्यालय संगठनम्- तत् त्वं पूषन् अपावृणु |

भारतीय जीवन बीमा निगमः - योगक्षेमं वहाम्यहम् |

श्रम-मन्त्रालयः - श्रम एव जयते |

नेपाल सर्वकारः - जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी |

संकलन – रोनक कटारा
कक्षा - दशमी

"हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः"

ग्रन्थ-ग्रन्थकारस्य ज्ञानम्

ग्रन्थः	ग्रन्थकारः
रामायणम् -	महर्षि वाल्मीकि
महाभारतम् -	महर्षि वेदव्यास
नैषधीयचरितम् -	श्रीहर्षः
शिशुपालवधम् -	माघः
किरातार्जुनीयम् -	भारविः
रघुवंशम् , अभिज्ञानशाकुन्तलम् -	कालिदासः
पञ्चतन्त्रम् -	विष्णुशर्मा

संकलन – ऋत्वी प्रजापत
कक्षा - षष्ठी

"गुणाः पूजास्थानं गुणिषु न च लिङ्गं न च वयः"

प्रहेलिकाः

(1) प्रश्न – मम वसनस्य वर्णः श्वेतः ।
मम हस्ते वीणा ।
मम वाहनं हंसः ।
अहं का ?
उत्तर - सरस्वती

(2) प्रश्न – अहं छायां ददामि ।
अहं फलं ददामि ।
अहं पर्णं ददामि ।
अहं कः ?
उत्तर – वृक्षः

(3) प्रश्न – मम वर्ण हरितः ।
मम कंठः कृष्णः ।
मम चंञ्चुः रक्तः।
अहं कः ?
उत्तर - शुकः

संकलन – ध्वनि टेलर
कक्षा - षष्ठी

सूक्तयः

सहसा विदधित न क्रियामविवेकः परमापदां पदम् ।
प्रारभ्य च उतमजनाः न परित्यजन्ति ।
शीलं परं भूषणम् ।
सत्यं वद ।
एकं सद् विप्राः बहुधा वदन्ति ।
अहिंसा परमो धर्मः ।

संकलन – जतिन कोटेड
कक्षा - षष्ठी

संक्षिप्त कृत्वा स्मरणं करोतु

सप्तभगिन्यः (सात बहनें)

(1) अद्वयं मद्वयं चैव न-त्रि-युक्तं तथा द्वयम् ।
सप्तराज्यसमूहोऽयम्, भगिनीसप्तकं मतम् ॥

अर्थः- अ से आरम्भ होनेवाले दो (असम, अरुणाचलप्रदेश), म से आरम्भ होनेवाले तीन (मणिपुर, मेघालय, मिजोरम), न से एक (नागालैण्ड), त्रि से एक (त्रिपुरा) इन सातों राज्यों के समूह को सप्तभगिनी कहा जाता है ।

अष्टादश पुराणानि (अठारह पुराण)

(2)मद्वयं, भद्वयं, चैव, ब्रत्रयं वचतुष्टयम् ।
अ-ना-प-लिङ्ग-कूस्कानि पुराणानि प्रचक्षते ॥

अर्थः- म से दो (मत्स्यपुराण, मार्कण्डेयपुराण), भ से दो (भविष्यपुराण, भागवत्पुराण), ब्र से तीन (ब्रह्मपुराण, ब्रह्माण्डपुराण, ब्रह्मवैवर्तपुराण), व से चार (विष्णुपुराण, वायुपुराण, वराहपुराण, वामनपुराण), अग्निपुराण, नारदपुराण, पद्मपुराण, लिङ्गपुराण, गरुडपुराण, कूर्मपुराण एवं स्कन्दपुराण ये अठारह पुराण कहे जाते हैं ।

संकलन – मन भट्ट
कक्षा - अष्टमी

संस्कृत महत्व

अमृतं संस्कृतं मित्र , सरसं सरलं वचः ।
एकतामूलकं राष्ट्रे , ज्ञान विज्ञान पोषकम् ।।

संकलन – अनन्त वैरागी
कक्षा - षष्ठी

उद्यमेन हि सिध्यन्ति , कार्याणि न मनौरथैः

संस्कृत व्यवहारिक शब्दाः

फलम्

अनार – दाडिमम्

आम – आम्रम्

अंगुर – द्राक्षाफलम्

केला – कदलीफलम्

खजुर – खर्जुरम्

कुटुम्बम्

माता – जननी

भाई – भ्राता

बहन – भगिनी

दादा – पितामहः

दादी – पितामही

संकलन – नव्या मोदी

कक्षा - षष्ठी

संख्याधारित रोचक तथ्यानाम्

गुणत्रयी -सत्वः , रजः , तमः

ऋणत्रयी -देवऋणम् , ऋषिऋणम् , पितृऋणम्

चत्वारः आश्रमाः - ब्रह्मचर्यम् , गृहस्थः , वानप्रस्थः , संन्यासः

पुरुषार्थचतुष्टयम् - धर्मः , अर्थः , कामः , मोक्षः

चत्वारः मठाः - गोवर्धनमठः , शारदामठः , श्रृंगेरीमठः , ज्योतिर्मठः

पञ्चतत्वाः -पृथ्वी , आकाशः , जलम् , वायुः , अग्नि

षड्दर्शनानि - सांख्यदर्शनम् , योगदर्शनम् , न्यायदर्शनम् , वैशेषिकदर्शनम् , मीमांसादर्शनम् , वेदान्तदर्शनम्

संकलन – दक्षित भारद्वाज

कक्षा - नवमी

“ बुध्दिर्यस्य बलं तस्य “

विद्या महत्व

विद्या ददाति विनयम् , विनयाद याति पात्रताम् ।
पात्रत्वाद् धनम् आप्नोति , धनाद् धर्म ततः सुखम् ।।
विद्वत्वं च नृपत्वं च , नैव तुल्यं कदाचन ।
स्वदेशे पूज्यते राजा , विद्वान सर्वत्र पूज्यते ।।
न चौरहार्यं न च राजहार्यं , न भ्रातृभाज्यं न च भारकारी ।
व्यये कृते वर्धत एव नित्यं , विद्या धनं सर्व धन प्रधानम् ।।
अपूर्वः कोऽपि कोषोऽयं , विद्यते तव भारति ।
व्ययतो वृद्धिमायाति क्षयमायाति संचयात ।।
सद् विद्या यदि का चिन्ता , वराकोदर पूरणे ।
शूकोऽपि अशनमाप्नोति , रामरामेति च वृवन् ।।
नास्ति विद्यासमो बन्धुर् , नास्ति विद्यासमः सुहृत् ।
नास्ति विद्यासमं वित्तं , नास्ति विद्यासमं सुखम् ।।
अलसस्य कुतो विद्या , अविद्यस्य कुतो धनम् ।
अधनस्य कुतो मित्रम् , अमित्रस्य कुतः सुखम् ।।
काकचेष्टा बकोध्यानं , श्वाननिद्रा तथैव च ।
अल्पाहारी गृहत्यागी विद्यार्थी पञ्चलक्षणम् ।।

संकलन – दक्ष कटारा
कक्षा - सप्तमी

एकस्य महत्वम्

एकः चन्द्रः तमो हन्ति न च तारागणोऽपि ।
एकः सुयोग्यः नेता सम्पूर्ण समाजस्य नेतृत्वं करोति ।
एकः सुयोग्यः गुरुः सम्पूर्णं समाजं सुसंस्कृतं करोति ।
एकः कटुवाक्यः महाभारतस्य युद्धाय कारणं अभवत् ।
एकं मधुरवाक्यं सम्पूर्णं दोषं दूरं करोति ।
एकः सुयोग्यः छात्रः विद्यालयस्य नाम उच्चशिखरं नयति ।

संकलन - खुशी भाटीया
कक्षा – षष्ठी (ब)

“ महीयांसः प्रकृत्या मितभाषिणः ”

भारतीय वर्षानुसारं मासानां ऋतुनां च नामानि –

वसंतः ऋतु	शरद ऋतु
1 चैत्रः	7.आश्विन:
2 वैशाखः	8. कार्तिक:
ग्रीष्मः ऋतु	हेमंत:ऋतु
3 ज्येष्ठः	9. मार्गशीर्ष:
4 आषाढः	10. पौष:
वर्षा ऋतु	शिशिर:ऋतु
5 श्रावणः	11.माघ:
6 भाद्रपदः	12 फाल्गुनः

संकलन – याशिका वर्मा

कक्षा - सप्तमी

।। मर्यादा पुरुषोत्तमः ।।

श्री रामचन्द्रस्य पितुः नाम दशरथः आसीत् । तस्य त्रयः भ्रातरः आसन् – भरतः , लक्ष्मणः , शत्रुघ्नः च । सः बाल्यकाले एव सर्वासु विद्यासु कुशलता प्राप्तवान् । जनकस्य पुत्रया सीतया सह तस्य विवाहः अभवत् । पितुः दशरथस्य आज्ञां पालयित्वा सः चतुर्दशवर्षाणि पर्यन्तं वने अवसत् । सः आदर्श राजा , आदर्श पुत्र , आदर्श भ्राता च आसीत् । तस्य राज्ये सुशासनम् अस्ति । अधुनापि तस्य राज्यं रामराज्यम् इति जनाः सादरं स्मरन्ति ।

संकलन – सत्यम् आहारी

कक्षा - दशमी

संस्कृत भाषाया महत्वं

संस्कृत भाषा अस्माकं देशस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति । प्राचीनयोः ज्ञानविज्ञानयोः निधिः अस्यां सुरक्षितः । इयं भाषा अतीव वैज्ञानिकी। संस्कृत ग्रन्थेषु मानवजीवनाय विविधाः विषयाः समाविष्टाः सन्ति। गणितशास्त्रे शून्यस्य प्रतिपादनं सर्वप्रथम् आर्यभटः अकरोत् । चिकित्साशास्त्रे चरकसुश्रुतयोः योगदानं विश्वप्रसिद्धम् । संस्कृते यानि अन्यानि शास्त्राणि विद्यन्ते तेषु वास्तुशास्त्रं, रसायनशास्त्रं, खगोलविज्ञानं, ज्योतिषशास्त्रं,विमानशास्त्रं इत्यादीनि उल्लेखनीयानि ।

संकलन – विहान मेहता

कक्षा - सप्तमी

हास्य कणिका

विक्रमः – अनुजः भवान् केन कारणेन रुदनं करोति ?

अनुजः – मम प्रतिवेशिनी माम पञ्चाशत् रुप्यकाणि अददात् । चत्वारिंशत् रुप्यकाणि दधि क्रेतुम् दश रुप्यकाणि माम कृते मिष्ठान्नं हेतु ।

विक्रमः – परंतु तव रुदनं केन कारणेन करोति ?

अनुजः – अहं मिष्ठान्नं क्रित्वा अखादम् परंतु कुत्रापि दधि न प्राप्नोति ।

मोहनः – विनोदः अहं तव गृहात प्रतिदिनं हास्य श्रुणोमि , किं भवतः गृहे कदापि क्लेशः न भवति ।

विनोदः – नैव मम गृहे कदापि क्लेशः न भवति । मम भार्या बेल्लनेन प्रहारं करोति यदि तस्य लक्ष्यं सफलं भवति तदा सा हसति । यदि तस्य लक्ष्यं सफलं न भवति तदा अहं हसामि ।

संकलन – कृष परमार

कक्षा - अष्टमी

।। उदार चरितानां तु , वसुधैव कुटुम्बकम् ।।

विविध गतिविधियाँ

आजादी के अमृत महोत्सव में चित्र वीथिका का निर्माण

कर्मचारियों द्वारा विद्यालय का सौन्दर्यीकरण

स्वास्थ्य विभाग,डूंगरपुर द्वारा विद्यालय में कोरोना महामारी जाँच एवम् टीकाकरण

अग्निशमन यंत्र का सञ्चालन सीखते विद्यार्थी

फिट इंडिया-प्लोगिंग रन- परिसर के बाहर स्वच्छता अभियान

गाँधीजी की 150 वीं जयन्ती का आयोजन

प्रधानमंत्रीजी ने की विद्यार्थियों से परीक्षा पे चर्चा

पुस्तकोपहार से नव सत्र का प्रारंभ

कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों का विदाई समारोह

स्काउट्स द्वारा अपनी कला का प्रदर्शन

पुरस्कृत - स्काउट्स व गाइड्स

ENGLISH SECTION

Don't Quit

when the things go wrong,as they somtimes will,
when the roads you are trudging seems all uphill,
when the funds are low and the debt are high ,
when you want to smile, but you have to sigh ,
when all is pressing you down a bit,
rest if you must, but don't you quit
Sucess is failure turned inside out
The silver tinton the clouds of doubt
and you never can tell how close you are ,
It may be near when so stick to the fight
when hardest you are hit
it seems so far,It’s when things seem worst
that you must not quit.

-BHUMIKA MEENA
Class-VIII

I love my little brother

I love my little brother.
He is the apple of my eye,
But there is one thing I don’t like
When my brother cries!

I cant wait to see him after school each day
To hug and play with him.
He gives me big smile and reaches for me too,
My little brother loves me too!

-MAVYA JOSHI
Class-IV A

If you set your goals ridiculously high and it's a failure, you will fail above everyone else's success.
-James Cameron

IMPORTANCE OF HOMEWORK

Homework is very important for us. In school, teachers give homework to us for our betterment because it increases the capacity of thinking and writing. But some students take homework as a formality, then in exam they do not attempt all questions properly because they do not have proper practice of writing.

During examination some of students are even unable to remember questions because they copy the homework from other students. Doing homework regularly helps us in punctuality of work .It is very useful and practical as children gain more confidence and do their best in exams and get full marks in examination.

-SHIVIKA GUPTA
Class -VII

IMPORTANCE OF PATIENCE

"Patience is not simply the ability to wait-its how we behave while we are waiting……"

The importance of patience should be realised by every individual. Patience in life can avoid making hasty decisions. Life is not about living in the future or in the past; life is about accepting the present moment. Whoever wants to lead higher life must cultivate patience. He must possess an open mind; and be slow to arrive at conclusions.

The patient man resolutely declines to be guided by what is immediate, near at hand. In thought, he declines to form his judgements from the external appearance of things. In action, he declines to be led away by the pains and pleasure of the moment. Therefore, when joys come, he is not elated; when sorrows befall, he does not lose heart; these are just two marked characteristics of a great man,

The old proverb says, "The patient man will rule the world". It is perfectly true. At any rate, no impatient person ever achieved anything great in life. When you take things patiently, look at difficulties clamly in the face, half their power to overwhelm you is gone. Patience is the greatest ally of courage. In fact, patience is a virtue that everybody must possess.

-AAYUSH ROAT
CLASS-X

Role of Youth in Nation Building

Children are little matured to do much good to the nation. The old persons are physically weak enough to take active part in the building of the nation. So it is only the youth of the country who can contribute a lot for the betterment of the nation. So the whole nation should collect and integrate all the resources of the nation to let them grow well and strongly. The role of youth in Nation Building is very important.

In past independent India, Young leaders like Sardar Vallabhbhai Patel, Nehru, Dr. Hedgewar and other put India on the path of development. Sachin Tendulkar, Sania Mirza and others in sports. Narendra Modi and others in politics. Indira Nooi, Chanda Koacher in Management and crores of young Indians are working hard to make India a super power of the world.

-JEMIN BHAWSAR
Class-IX

THINK POSITIVE

"OUR LIFE IS WHAT OUR THOUGHTS MAKE IT"

Amongst the innumerable gifts of god, the human mind is an incredible one. As you keep your body clean, your mind too should be kept clean and happy. Positive thinking helps you to achieve it. A positive outlook on life is the 'power of mind'.

All our feelings, beliefs and actions are based on our thoughts. The mind can think positively or negatively. It is thought and thoughts alone that divide right from wrong.

To deal effectively with a problem or a situtation or an opportunity, you ought to be in a positive mood. The need is to say calm, think sensibly and bring the best out of a given situation. Thought is the seed of action. For positive thinkers, a set back can be a stepping stone to success; for negative thinkers, set back is stumbling block. People with positive attitude are caring, confident, patient and humble. Like a fruit of all season, he/ she is always welcome.

"IT IS WHAT YOU THINK THAT MAKES THE WORLD SEEM SAD OR GAY TO YOU; YOUR MIND MAY COLOUR ALL THINGS GREY OR MAKE THEM RADIANT "

-SWASTIK PANDYA
CLASS -XII

Wildlife Conservation

Wild life conservation is the practice of protecting wild plant and animal species and their habitat.Wildlife plays an important role in balancing the ecosystem and provides stability to different natural processes of nature. The goal of wildlife conservation is to ensure that nature will be around for future generation to enjoy and also to recognize the importance of wildlife and wilderness for human and other species alike. Many nations have government agencies and NGO's dedicated to wildlife conservation, which help to implement. Numerous independent non profir organizations also promote various wildlife conservation causes.

Wildlife conservation has become an increasingly important practice. Due to the negative effects of human activity on wildlife. An endangered species is defined as a population of a living species that is in the danger of becoming extinct because the species has as very low reproduction rate.

-KRISHNA DEV PARMAR
Class-IX

NATURE

Nature is home for birds and animals.
It is a life of birds and animals.
Nature grows fruits and vegetable.
It grows big and small trees.
'O'! our nature is sweet and beautiful.
'O'! our nature is clean and very best.
Nature gives us the oxygen.
It gives us the cotton and jute.
Nature provides us wood and honey.
It provides us silk and milk。

-ANANT VERAGI
Class-VI

MY CLASS X

Class X will make a history,
But it's behind a serious mystery!
This class is very kind,
All students have brilliant mind.
Every teacher wants to praise,
Because they have fully grace.
They want always to take participtaion,
Even though they face burden of tension.
They always look like a chain,
And wan always to gain.
They always make a fun,
Hope their future bright like that of sun!
They don't hurt the feelings of others,
Because they treat as Sisters & Brothers.
Students are always honest,
That's why Class X is the best!

-ZEBA AKHTAR
CLASS-X

CYBER SECURITY

Cyber security refers to the body of technologies, processes, and practices designed to protect networks, devices, programs, and data from attack, damage, or unauthorized access. Cyber security may also be referred to as information technology security.

Cyber Security is important because government, military, corporate, financial, and medical organizations collect, process, and store unprecedented amounts of data on computers and other devices. A significant portion of that data can be sensitive information, whether that be intellectual property, financial data, personal information, or other types of data for which unauthorized access or exposure could have negative consequences. Organizations transmit sensitive data across networks and to other devices in the course of doing businesses, and cyber security describes the discipline dedicated to protecting that information and the systems used to process or store it. As the volume and sophistication of cyber-attacks grow, companies and organizations,Network security

- Application security
- Endpoint security
- Data security
- Identity management
- Database and infrastructure security
- Cloud security
- Mobile security

For an effective cyber security, an organization needs to coordinate its efforts throughout its entire information system. Elements of cyber encompass all these points.

-OM TAMBOLI

Class: XII

Quotation on Cleanliness

1. Cleanliness can be defined as the purest emblem of the mind. ----------Joseph Addison
2. Being green and clean is not just an aspiration but an action.------Christine Pelsosi
3. The objective of cleaning is not just to clean, but to feel happiness living with in that environment. ----------Marie Condo
4. To keep the air fresh among words is the secret of verbal cleanliness.--Dejan Stojanovic
5. Clean communities, healthy citizens. ------- Lailah Gifty Akita

-VIHAN MEHTA

CLASS-VII

INCOME TAX

Income Tax refers to the tax levied by the government for the purpose of finacing its various operations. Taxes are of two types, direct and indirect. Whereas income tax is a direct tax, vat, serive tax, excise and the latest one to subsume all these taxes goods and service tax (GST) are all indirect taxes.
the payment of income tax in india is made according to a provisions made under the income tax act. According to the Indian income tax laws, income from the following sources is deemed taxable-
-Salaries
-Income from house property
-Profits and gains of business or profession
-Capital gains

Income from other sources

The sum of income from all the sources above is calculated according to the provisions of income tax Act. The tax rates in india very according to the earnings of an individual and are referred to as income tax slabs. These income tax rates are revised every year during the budget.
Indian income tax laws, tax individuals per different slab rates of income. The basic exemption limit is Rs 2,50000. Income tax department charges different tax slab at the rates ranging from 10% up to 30%. Our guide on slab rates will explain these in detail you can easily estimate your tax liability house much taxes you owe to the government.

Income Tax Returns (ITR)

Tax returns are a statement of your earning form various sources of income that include the tax liability, details of tax paid and other refunds that are eligible to receive from the goverment our guide on ITR form will help you choose the correct ITR form for tax filing.

Late filing of income tax returns

It is necessary to file the income tax returns before the deadline to avoid a penalty for non – filing fees for bill help you under stand the different charges levied by the government.

Income tax filing procedure

With the introduction of e filing income tax returns have become simpler and convenient. You can e file income tax returns have become comfort of your home or office at any hour of the day. You can follow these simple steps to e fill income tax returns online. You can read the entire procedure in our guide to e filing income tax returns online. You can read the e filing income tax returns on government website.

What are the various tax sawing instruments?

There are many tax saving instruments that are use for tax exemptions us the various sections of the income tax act. Investing in tax saving instruments is an apt way to boost your wealth and save taxes. A part form this you can also same taxes by investing in health insurance, and our guide on section 80 D exptaine this in detail.

Corporate income tax

For companies, income is taxed at a flat rate of 30% for Indian companies 24.9% are as pr budget 2015-16. Foreign companies pay income tax at the rate of 40%. An education cess of 3% (on both the tax and the surcharge) are payable.

Income tax basic

Every one who earns or gets an income in indian is subject to income tax. (yes, Indians living a broad too). Your income salary pension or could be form a savings account that's quietly accumulating a 4% interest. Even, winners of "kaun banega crorpati" have to pay tax on their prize.

History:- the "direct taxes amendment bill" was tabled in the parliament on 30 august 2010 by the then finance minister to replace the income tax act 1961 and wealth tax act. The bill how ever, could not go through and eventually lapsed after revolution of the wealth tax act in 2015.

The income tax act 1961

The income tax act 1961 is the charging statue of income tax in the india. It provide for levy, administration, collection and recovery of income tax. The government of india brought a draft statue colled the "direct taxes code" intended to replace the income tax act 1961 and the wealth tax act 1957.

Income tax

An in tax is a tax that government impose on financial income generated by all entities with in there jurisdiction. By law, businesses and individuals must fill an income tax return every year to determine to whether they own any tax is a key source of funds that the government uses to fund its activities and serve the public.

-RAJINDER PRASAD
PGT-ECONOMICS

Life

Life is love-Enjoy it.

Life is challenge-meet it.

Life is gift-Accept it.

Life is study-Perform it.

Life is game-Play it.

Life is song –Sing it.

Life is journey-Complete it.

Life is promise-Fulfil it.

Life is struggle-Fight it.

Life is puzzle-Solve it.

Life is a lesson-Learn it.

-ROHINI CHOUBISA, Class-VIII

Life Is Struggle

Life is but Constant struggle

Which takes to eternal peace.

It is the sound of soldiers buggle

This brings light to cheeks.

Hurdles may come to test

Ego of a person to any limit.

Only those can prove best

Who go through blood bit by bit.

A true person is conscious

You can make him right or wrong.

Life is loving and valiant bliss

It is an eternal and evergreen song.

-AZRA PARVEEN

CLASS-X

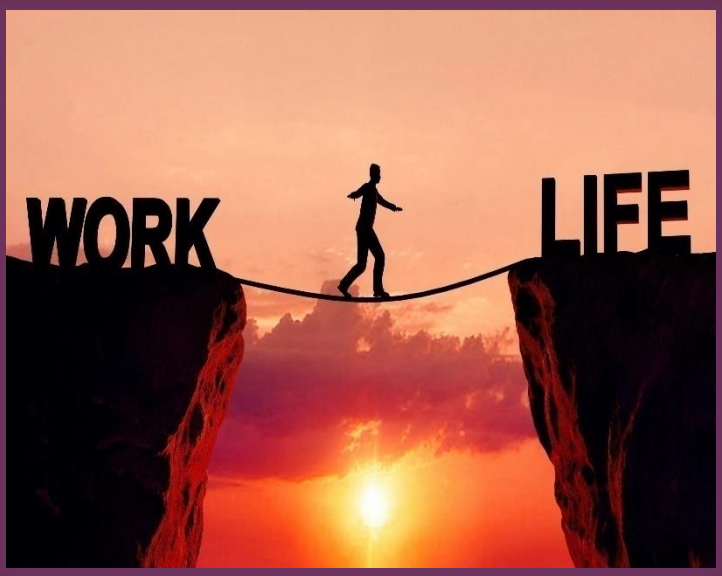

Save Girl Child

She is a flower not a thorn,
Don’t kill her before she was born.

What harm did she do to you,
She has the right to live too.
She is a child, not a bride,
Don’t send her away, she is afraid.

Why do you want a son not a daughter,
Where as she can fill your life with joy and laughter.

She can be a sister, daughter and may be a wonder,
But she will never be a blunder.
To God she can be a seeker,
But for you she will be a teacher.

Come on, save girl child who causes you no harm,
And always keeps your heart warm.
Let her flee in the sky,
She will shine like a pearl at high.

-RUDRANEE DAMOR
Class-X

At Gwalior Fort

Gwalior is Gibraltar of Indian forts
None can deny even any courts
You have to travel upto three height
In order to get the glimpses of the sight.

The sculpture was seeming very marvelous
There is nothing to keep it a fuss
The sound and lightening programme was nice
Everyone can see at 100 rupees price.

The height was seeming a little bit difficult
But after reaching there we get a cult
We four were there to show a representation
Nothing but about our workshop's orientation.

From the front side of fort
The city Gwalior appears a lightful resort
The gleaming and shining lights of city
Started recalling us about historical pity.

Mrignayani and Mansingh brought the glory
As Baiju Bawra, Tansen,Amjad Ali,s story
Music, song and arts are three unification
They are the one as matter of satisfaction.

The musical place and source of knowledge
It is such splendid place as matter of history age
'Beauty is truth' the fort is enough to prove
When one enters and go inside to get move.

The museum gets us no matter of coy
As all art is dedicated to joy.
It gives us a lot the matter of teaching
Also regards our heart as matter of pleasing.

The city Gwalior is very neat, clean and green
Which gives our mind none but calm,cool and serene
Nothing is good or bad either in this world
It's one's judgment as the matter of pearled.

History never repeats to itself but sometimes does
It happens because of human's folly 'age
History is his whose language is the sun
So is the fort as things come to churn.

I am very thankful to MY PARENTS
Which provided me a chance to get here ''aids"
Otherwise Gwalior fort might have been a dream
For me it would be the pages of clean.

-HARSH PARMAR
CLASS-X

There is a Wisdom of Head and a Wisdom of Heart

This statement of Charles Dickens, a famous British novelist of social concerns, highlights that wisdom is the highest level of intellectual maturity or intelligence that a man's mind can reach.Wisdom in all cultures has been described as the ultimate goal for human beings.Scriptures of the world talk of wisdom and how it can be achived.Acquisition of wisdom is not an easy task.Wisdom of the head as well as wisdom of the heart are most soughtafter rareities in the world. Both type of wisdom can be linked to super intelligence.Whereas the wisdom of the heart can be linked to super emotional intelligence guided by intuition.We can not say which wisdom is better? Wisdom is ultimate possession, either of the two types is sufficient to make the possessor contented and successful.

When God asked Solomon what blessings he should shower on him.Solomon supplicated,"Give me wisdom and knowledge."He is considered the wisest of kings of all times.If the wisest king asked wisdom from God, there must be something unique about wisdom.

"Wisdom is the magic lamp of Aladdin".If you have it, you have everything . Wisdom actually, is the ability to stay positive even in the most negative situations.If you have wisdom, you can achieve anything in life.

Success is a highly elusive thing!But those with right efforts, right thoughts and right actions catch the elusive snitch like (Harry Potters's Quidditch Winning ball) golden ball of success.So one must not aim at success rather one must aim for acquiring the right thoughts.

Once thoughts are right, action and effort automatically align themselves accordingly. This is not a simple process! One really has to work hard to get the grail of wisdom.Confucius, a great Chinese Philosopher and teacher wisely said,"By three methods we may learn wisdom.First by reflection, which is noblest; second by imitation which is easiest, and third by experience, which is the bitterest."

-VIVEK BHATT
TGT ENGLISH

MOM

Mom! Oh my mom
You are my life
And you make vegetables cutting
It with a knife
Mom! Oh my mom

When I was a small child you helped me to grow
And you taught me all things that I should known.
You care me too much
And give me every day dinner and lunch.

You applaude when I do work right
And you scold when I do work wrong
You motivate me for my bright future
And for this I study hard and develop a new feature

Mom! Oh my mom
You give me birth in the world
And help me to say different word
Mom! Oh my mom.

-JINKLE JAIN
CLASS-VIII

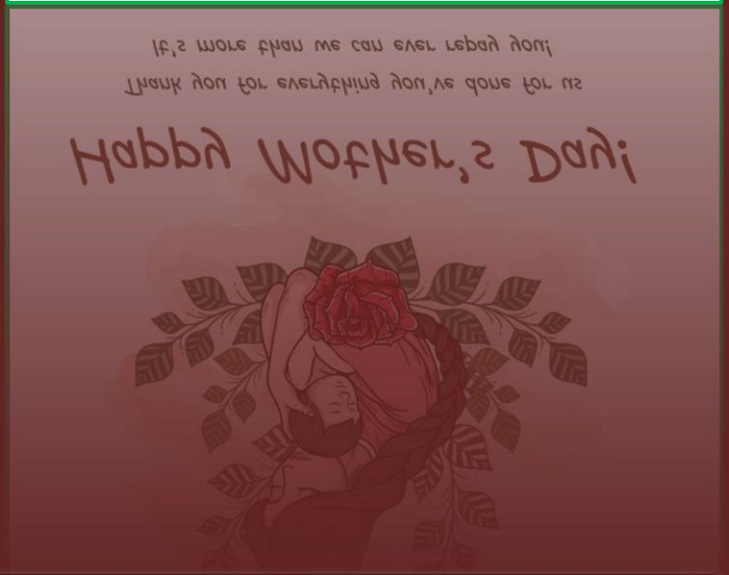

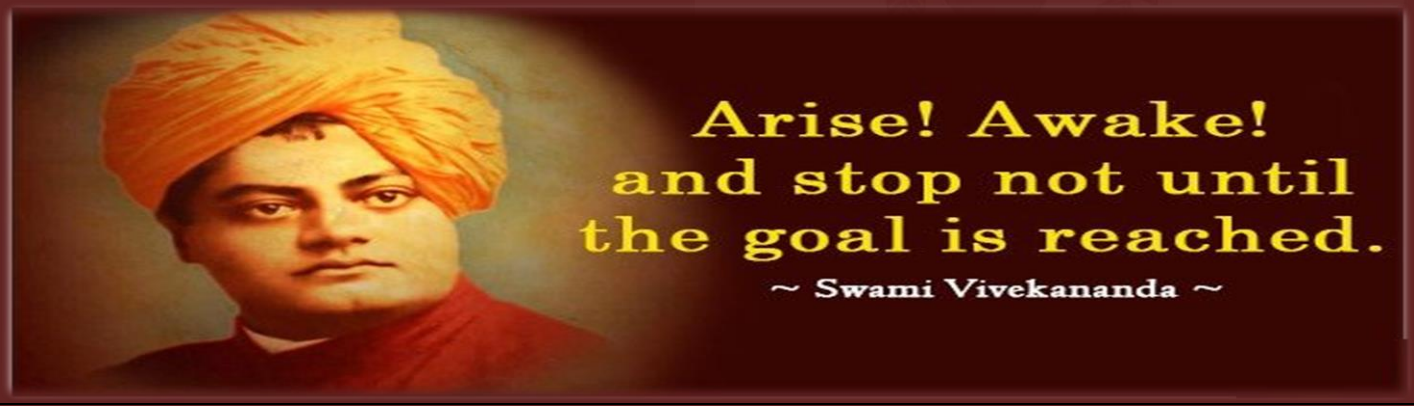

पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ

गांधी जयंती पर पोस्टर -प्रदर्शनी

नृत्य प्रस्तुत करती छात्रा

एक चिट्ठी -सैनिकों के नाम

समूह गान प्रस्तुत करती छात्राएँ

प्राथमिक विभाग के विद्यार्थियों की विज्ञान प्रदर्शनी

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत एकल गान प्रस्तुति

हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत निबंध लेखन व हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी का लाभ लेते प्राचार्य,शिक्षक व विद्यार्थीगण

संस्कृत सप्ताह में समूह गान प्रस्तुत करती छात्राएँ तथा पुरस्कृत विद्यार्थी

स्वच्छता पखवाड़े का आग़ाज

स्वच्छता अभियान में जुटा के.वि.परिवार

यादों के झरोखे से

कलेक्टर महोदय श्री सुरेश कुमार ओला से पुरस्कृत विद्यार्थी

नगर परिषद् के पूर्व अध्यक्ष श्री के.के.गुप्ताजी का आगमन

स्वच्छता में विद्यालय नं.1- न.प.डू. से पुरुस्कृत प्राचार्य व छात्र

पुलिस कैडेट कार्य.-पुलिस अधीक्षक श्री जय यादव का संबोधन

सबस्टाफ श्री हीरालाल की सेवानिवृति तथा श्री सुभाष माली(SSA),सुश्री कर्णावती सौदा(TGT) व सुश्री श्वेता सिंह(LIB.) की स्थानान्तरण पार्टी

Secondary Section

CCA PROGRAMME 2022-23

S. No.	Dates	Name Of Activities	Remark
1.	05-4-2022	House Allotment by Class teachers	
2.	07-04-2022	House Meeting – Naming House Captains , Vice Captains	
3.	16-04-2022	English Calligraphy Competition (Class wise)	
4.	23-04-2022	Drawing/ Sketch Competition (Senior , Junior class wise)	
5.	25-06-2022	Formation of Student's council and House board decoration	
6.	02-07-2022	English Poem Recitation (House wise)	
7.	16-07-2022	Song Competition (Solo, Group) House wise	
8.	25-27-07-2022	Inter house Sports Competitions (Junior, Senior)	
9.	28-07-2022	Dance competition (Solo , Group - House wise)	
10.	06-08-2022	Rakhi Making, Greeting card (to Soldiers)	
11.	15-08-2022	Independence Day	
12.	20-08-2022	Sanskrit Sloke competition (house wise)	
13.	27-08-2022	GK Quiz (House wise)	HINDI PAKHAWARA
14.	03-09-2022	Hindi Extempore (House wise)	
15.	05-09-2022	Teacher's Day	
16.	14-09-2022	Hindi Diwas	
17.	17-09-2022	Hindi Poem Recitation (house wise)	
18.	24-09-2022	Hindi Calligraphy (Senior , Junior class wise)	
19.	01-10-2022	Skit competition Hindi (House wise)	
20.	02-10-2022	Mahatma Gandhi Jayanti	
21.	15-10-2022	English Story Telling (House wise)	
22.	22-10-2022	Rangoli making (House wise)	
23.	29-10-2022	Slogan Writing competition (Classs wise)	
24.	05-11-2022	Mime Competition (House wise)	
25.	14-11-2022	Children's Day ,	
26.	19-11-2022	Quiz English Vocabulary (Housewise)	
27.	26-11-2022	Essay Writing (English, class wise Senior, Junior)	
28.	03-12-2022	Craft (paper, wood etc)	
29.	15-12-2022	KVS Foundation Day	
30.	17-12-2022	Story Telling (Hindi) House wise	
31.	12-01-2023	National Youth Day	
32.	21-01-2023	Debate competition (Hindi) House wise	
33.	26-01-2023	Republic Day	
34.	28-01-2023	English Declamation competition (House wise)	
35.	04-02-2023	English Extempore (House wise)	
36.	18-02-2023	Scout , Guide	
37.	25-02-2023	CCA Prize Distribution Ceremony	

Note - The above schedule may be change in unavoidable circumstance

PRIMARY SECTION

Sr. No.	CCA ACTIVITY	DATE
1	House Distribution	05.04.2022
2	House Meeting	07.04.2022
3	Drawing Competition	16.04.2022
4	Hindi Calligraphy Competition	23.04. 2022
5	Table Recitation Competition	24.06.2022
6	Class Room Display Decoration	01.07.2022
7	Solo Dance Competition	16.07.2022
8	Poem Recitation	23.07.2022
9	Song Competition	30.07.2022
10	Rakhi Making Competition	06.08.2022
11	Independence Day	15.08.2022
12	Mask Making Competition	20.08.2022
13	GK Quiz	27.08.2022
14	Hindi Extempore	03.09.2022
15	Teachers Day	05.09.2022
16	Hindi Diwas	14.09.2022
17	Hindi Poem Recitation	17.09.2022
18	Hindi Telegraphy	24.09.2022
19	Collage Making	01.10.2022
20	Mahatma Gandhi Jayanti	02.10.2022
21	Hindi Story Telling	15.10.2022
22	Diya Decoration	22.10.2022
23	English Calligraphy Competition	29.10.2022
24	Hindi Story Telling	05.11.2022
25	Children’s Day Fancy Dress Competition	14.11.2022
26	Physical Game	19.11.2022
27	Thumb Painting	26.11.2022
28	Craft Making	03.12.2022
29	KVS Foundation Day	15.12.2022
30	New Year and Chrismas Card Making	17.12.2022
31	National Youth Day	12.01.2023
32	Dance Competition	21.01.2023
33	Republic Day	26.01.2023
34	Hindi Dictation Competition	28.01.2023
35	English Dictation Competition	04.02.2023
36	Scout Guide	18.02.2023
37	CCA Prize Distribution Ceremony	25.02.2023

List of Staff Members

2022-23

S.No	Designation	Names
1	**PRINCIPAL**	SH. K.K.CHANDRA
2	**PGT's**	SMT. ARUNA ANGIHOTRI(English)
3		SMT. PRITI KAUSHIK (Chemistry)
4		SH. OMESH PALIWAL (C S)
5		SH. MURLI KHATRI (Maths)
6		SMT. SHRUTI SHUKLA (Biology)
7		SH. RAJINDER PRASAD (Economics)
8		SH. SHAMBHU PRAKASH BAIRWA (Physics)
9		SH. MANOJ KUMAR SHARMA (Hindi)
10		SH. KISHAN LAL MEENA (Commerce)
11	**TGT's**	SH. CHETDAN CHARAN (Sanskrit)
12		SH. LOKESH KUMAR YADAV (Maths)
13		SH. JEETRAM (S.St.)
14		SH. VIVEK BHATT (English)
16		SH. SADISH KUMAR SHARMA (P&H E)
17		MS. SARITA SONI (Drawing)
18	**Librarian**	VACANT
19	**WET**	VACANT
20	**PRT's**	SH. HARIRAM MEENA
21		SH. SITARAM BAIRWA
22		SH.DINESH JALAVANIYA
23		SH. BHAGWAN SAHAY
24		SMT. RAJANI SHARMA
26		SH. KANHAIYA LAL PRAJAPAT
27		SH. MURLI CHOUDHARY
28		SH. PREMRAJ MEENA
29		SH. RAJU LAL MEENA
30		SH. AJAY KUMAR VERMA
31		SH.RAKESH KUMAR MEENA
32		SH. HARDIK PANDYA (Music)
33	**Office Staff**	VACANT(SSA)
34		SMT. CHHAGANDEEP KOUR (JSA)
35	**Sub Staff**	SH. ANIL KUMAR MEENA
36		SH. NANURAM AHARI

STAFF MEMBERS- 2022-23

प्रथम पंक्ति (बाएँ से दाएँ):-

श्री मनोज कुमार शर्मा (स्ना.शिक्षक-हिंदी), श्रीमती श्रुति शुक्ला (स्ना.शिक्षिका-जीव विज्ञान), श्रीमती रजनी शर्मा (प्रा.शिक्षिका), सुश्री सरिता सोनी (कला शिक्षिका), श्रीमती प्रीति कौशिक (स्ना.शिक्षिका-रसायन विज्ञान), श्रीमती अरुणा अग्निहोत्री (स्ना.शिक्षिका-अंग्रेजी), श्री के.के. चन्द्रा (प्राचार्य), श्री ओमेश पालीवाल (स्ना.शिक्षक-कंप्यूटर विज्ञान) ,श्री मुरली खत्री (स्ना.शिक्षक-गणित), श्री शम्भू प्रकाश बैरवा (स्ना.शिक्षक-भौतिक विज्ञान) ,श्री किशन लाल मीणा (स्ना.शिक्षक-वाणिज्य) ,श्री राजिन्दर प्रसाद (स्ना.शिक्षक-अर्थशास्त्र)।

द्वितीय पंक्ति (बाएँ से दाएँ):-

श्रीमती छगनदीप कौर (क.सचि.सहायक), सुश्री प्रियल कलाल (नर्स), श्री अनिल कुमार मीणा (सब स्टाफ-लैब), श्री नानूराम अहारी (सब- स्टाफ), श्री हरिराम मीणा (प्रा.शिक्षक), श्री विवेक भट्ट (टी.जी.टी.-अंग्रेजी), श्री जीतराम (टी.जी.टी.-सामाजिक अध्ययन), श्री हार्दिक पंड्या (प्रा.शिक्षक-संगीत), श्री चेतदान चारण (टी.जी.टी.-संस्कृत), श्री राजूलाल मीणा (प्रा.शिक्षक), श्री भगवान सहाय (प्रा.शिक्षक), श्री सदिश शर्मा (टी.जी.टी.-स्वा.एवं शा.शि.), श्री लोकेश कुमार यादव (टी.जी.टी.-गणित), श्री सीताराम बैरवा (प्रा.शिक्षक)।

तृतीय पंक्ति (बाएँ से दाएँ):-

श्री कन्हैया लाल प्रजापत (प्रा.शिक्षक), श्री मुरली चौधरी (प्रा.शिक्षक), श्री प्रेमराज मीणा (प्रा.शिक्षक), श्री राकेश कुमार मीणा (प्रा.शिक्षक), श्री अजय कुमार वर्मा (प्रा.शिक्षक), श्री दिनेश जलवानियाँ (प्रा.शिक्षक), श्री हार्दिक सुथार (कंप्यूटर अनुदेशक)।